बाँके नाल अखिया ला बैठी

बाँके नाल अखिया ला बैठी,
हुन प्यार जताया नही जानदा,
चुप करके मैं हाथ वी फडा बैठी,
हुन हाथ वी छुड़ाया नही जानदा

मेनू लोकी ताने दिंदे ने,
घर वाले झुलम करदे रहंदे ने,
हूँ लाज शर्म मैं ला बेठी,
पीछे पैर हटाया नही जांदा,
बाँके नाल अखिया ला बैठी,

मेनू प्रीतम गल नाल लाया है,
कोई ऐसा जादू पाया है,
घुंड चुक के मैं सामने आ बेठी,
हूँ मुह भी लुकाया नही जांदा,
बाँके नाल अखिया ला बैठी,

मेनू पुशन सहेलियां दस नी सखी,
लिवे प्रीतम वस विच हुंदा है,
एह ता दसने दी भी गल नही,
एह भेद बताया नही जांदा,
बाँके नाल अखिया ला बैठी,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11116/title/banke-naal-akhiyan-laa-bethi-hum-pyar-jtaya-nhi-janda

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |